

तीसरी सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची

प्रलिस के लयः

सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची, रक्षा अधगिरहण प्रकरया 2020, रक्षा कषेत्र से संबधति पहलें ।

मेन्स के लयः

सरकारी नीतयिँ और हस्तकषेप, प्रौद्योगिकी का स्वदेशीकरण, रक्षा कषेत्र के स्वदेशीकरण का महत्त्व और संबधति चुनौतयिँ ।

चर्चा में क्यौं?

हाल ही में रक्षा मंत्रालय ने 101 वस्तुओं की तीसरी सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची जारी की है, जसमें प्रमुख उपकरण/प्लेटफॉर्म शामिल हैं ।

- अगस्त 2020 में 101 वस्तुओं वाली 'प्रथम नकारात्मक स्वदेशीकरण' सूची को अधसूचिति कया गया था ।
- दूसरी स्वदेशीकरण सूची को जून 2021 में 108 वस्तुओं के साथ अधसूचिति कया गया था ।

तीसरी सूची और इसका महत्त्वः

- इसमें अत्यधिक जटलि ससि्टम, सेंसर, हथयार एवं गोला-बारूद, हल्के वजन वाले टैंक, माउंटेड आर्टगिन ससि्टम, अपतटीय गश्ती पोत (OPV) आदि शामिल हैं ।
- इन हथयारों और प्लेटफॉर्मों को दसिंबर 2022 से दसिंबर 2027 तक उत्तरोत्तर स्वदेशी बनाने की योजना है ।
- इन 101 वस्तुओं को अब से रक्षा अधगिरहण प्रकरया (DAP) 2020 के प्रावधानों के अनुसार स्थानीय स्रोतों से खरीदा जाएगा ।
 - DAP 2020 में नमिनलखिति खरीद श्रेणयिँ शामिल हैं: खरीदें (भारतीय - स्वदेशी रूप से वकिसति और नरिमति), खरीदें (भारतीय), खरीदें और बनाएँ (भारतीय), खरीदें (वैश्वकि - भारत में नरिमाण) और खरीदें (वैश्वकि) ।

महत्त्वः

- घरेलू उद्योग को बढ़ावा देना:
 - ये हथयार और प्लेटफॉर्म घरेलू उद्योग को बढ़ावा देंगे और देश में अनुसंधान एवं वकिस तथा वनरिमाण की स्थतिकि बदल देंगे ।
- राजकोषीय घाटे को कम करना और राष्ट्रवाद को बढ़ावा देना:
 - स्वदेशीकरण के लाभों के साथ-साथ इससे राजकोषीय घाटे में कमी, शत्रुतापूर्ण पड़ोसयिँ के खलिफ सुरक्षा, रोजगार सृजन एवं भारतीय सेनाओं के बीच अखंडता तथा संप्रभुता की मजबूत भावना सहति राष्ट्रवाद और देशभक्तिकि भावना बढ़ेगी ।

रक्षा प्रौद्योगिकी का स्वदेशीकरणः

- परचियः
 - स्वदेशीकरण आत्मनरिभरता और आयात के बोझ को कम करने के दोहरे उद्देश्य के लयि देश के भीतर कसि भी रक्षा उपकरण के वकिस और उत्पादन की कषमता है ।
 - रक्षा उत्पादन में आत्मनरिभरता रक्षा उत्पादन वभिण के प्रमुख उद्देश्यों में से एक है ।
 - **रक्षा अनुसंधान वकिस संगठन (DRDO), रक्षा सार्वजनकि कषेत्र के उपक्रम (DPSUs)** और नजिी संगठन रक्षा उद्योगों के स्वदेशीकरण में महत्त्वपूर्ण भूमकि नभिा रहे हैं ।
 - भारत दुनया के सबसे बड़े हथयार आयातकों में से एक है और अगले पाँच वर्षों में सशस्त्र बलों द्वारा रक्षा खरीद परलगभग **130 बलियिन अमेरिकी डॉलर खर्च** करने की उम्मीद है ।
- भूमकिः
 - सोवयित संघ पर अत्यधिक नरिभरता के कारण रक्षा औद्योगीकरण के प्रतिभारत के दृष्टिकोण में बदलाव आया ।

- वर्ष 1980 के दशक के मध्य से सरकार ने **अनुसंधान एवं विकास (Research and Development)** में संसाधनों का इस्तेमाल किया ताकि डीआरडीओ को हाई प्रोफाइल परियोजनाएँ शुरू करने हेतु सक्षम बनाया जा सके।
- रक्षा स्वदेशीकरण में एक महत्त्वपूर्ण शुरुआत वर्ष 1983 में हुई थी जब सरकार ने 5 मसिाइल सस्टिम (पृथ्वी, अग्नि, त्रिशूल, आकाश, नाग) विकसित करने के लिये **एकीकृत नरिदेशति मसिाइल विकास कार्यक्रम (IGMDP)** को मंजूरी दी थी।
- सशस्त्र बलों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये स्वदेशी पर्याप्त पर्याप्त नहीं थे, जिसके परिणामस्वरूप वदेशी कंपनियों के साथ साझेदारी में **सह-विकास और सह-उत्पादन की ओर ध्यान केंद्रित** किया गया।
- इसकी शुरुआत वर्ष 1998 में हुई थी, जब भारत और रूस ने संयुक्त रूप से **ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मसिाइल** का उत्पादन करने के लिये एक अंतर-सरकारी समझौते पर हस्ताक्षर किये थे।
- **चुनौतियाँ:**
 - **संस्थागत क्षमता का अभाव:**
 - रक्षा के स्वदेशीकरण के उद्देश्य से विभिन्न नीतियों को उसके तार्किक नषिकर्ष तक ले जाने के लिये एक संस्थागत क्षमता का अभाव।
 - **ढाँचागत घाटा:**
 - बुनियादी ढाँचे की कमी से भारत की रसद लागत बढ़ जाती है जिससे देश की लागत प्रतस्पर्द्धात्मकता और दक्षता कम हो जाती है।
 - **भूमिअधगिरहण से संबंधित मुद्दे:**
 - भूमिअधगिरहण के मुद्दे रक्षा नरिमाण और उत्पादन में नए प्लेयर्स के प्रवेश को प्रतबिंधित करते हैं।
 - **नीतगित दुवधि:**
 - **DPP (रक्षा खरीद नीति, जिसे अब DAP 2020 से बदल दिया गया है) के तहत नीतगित दुवधि** के कारण अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद नहीं मिली। (ऑफसेट एक वदेशी आपूर्तिकर्त्ता के साथ अनुबंधित मूल्य का हसिस्सा है जिसे भारतीय रक्षा क्षेत्र में फरि से नविश किया जाना चाहिये या जिसके खलिफ सरकार प्रौद्योगिकी खरीद सकती है)।
 - केवल **सरकार-से-सरकार के बीच समझौते (G2G), एकल विक्रेता अनुबंध या अंतर-सरकारी समझौते (IGA)** में अब ऑफसेट क्लॉज़ नहीं होंगे।
 - DAP 2020 के अनुसार, अन्य सभी अंतरराष्ट्रीय सौदे जो प्रतस्पर्द्धा हैं और जिसके लिये कई विक्रेता हैं, उनके पास 30% ऑफसेट क्लॉज़ जारी रहेगा।

संबंधित पहलें:

- **FDI सीमा में वृद्धि:**
 - मई 2020 में रक्षा क्षेत्र में स्वचालित मार्ग के तहत **प्रत्यक्ष वदेशी नविश (FDI)** की सीमा को 49% से बढ़ाकर 74% कर दिया गया था।
- **आयुध नरिमाणी बोरड का नगिमीकरण:**
 - अक्तूबर 2021 में सरकार ने चार दशक पुराने आयुध नरिमाणी बोरड (OFB) को भंग कर दिया और युद्ध सामग्री से लेकर भारी हथियारों व वाहनों तक के रक्षा हार्डवेयर के नरिमाण के लिये सात नई राज्य-स्वामति वाली कंपनियों के तहत 41 कारखानों को मिला दिया।
- **डिफेंस इंडिया स्टार्टअप चैलेंज:**
 - DISC का उद्देश्य राष्ट्रीय रक्षा एवं सुरक्षा के क्षेत्र में प्रोटोटाइप बनाने और/या उत्पादों/समाधानों का व्यावसायीकरण करने के लिये स्टार्टअप्स/एमएसएमई/इनोवेटर्स का समर्थन करना है।
 - इसे रक्षा मंत्रालय ने अटल इनोवेशन मशिन के साथ साझेदारी में लॉन्च किया है।
- **सृजन पोर्टल:**
 - यह एक वन स्टॉप शॉप ऑनलाइन पोर्टल है जो विक्रेताओं को स्वदेशीकरण के लिये उपकरण लेने की सुविधा प्रदान करता है।
- **ई-बजि पोर्टल:**
 - ई-बजि पोर्टल पर औद्योगिक लाइसेंस (IL) और औद्योगिक उद्यमी ज्ञापन (IEM) के लिये आवेदन करने की प्रक्रिया पूरी तरह से ऑनलाइन कर दी गई है।

आगे की राह

- सभी आपत्तियों और विवादों से निपटने के लिये एक स्थायी मध्यस्थता प्रकोष्ठ की स्थापना की जा सकती है।
- नज्जी क्षेत्र को बढ़ावा देना आवश्यक है क्योंकि यह कुशल और प्रभावी प्रौद्योगिकी तथा स्वदेशी रक्षा उद्योग के आधुनिकीकरण के लिये आवश्यक मानव पूंजी का संचार कर सकता है।
- सॉफ्टवेयर उद्योग और आर्टफिशियल इंटेलिजेंस एवं साइबर सुरक्षा जैसी तकनीकों का उपयोग स्वदेशी रूप से "चपि" के विकास और नरिमाण के लिये किया जाना चाहिये।
- DRDO का विश्वास और अधिकार बढ़ाने के लिये उसे वित्तीय व प्रशासनिक स्वायत्तता प्रदान करना।
- रक्षा उत्पादन विभाग के कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने और नरितरता सुनश्चिति करने के लिये लंबे कार्यकाल दिये जाने की आवश्यकता है।
- तीनों सेवाओं के बीच इन-हाउस डिज़ाइन क्षमता में सुधार किया जाना चाहिये, नौसेना ने स्वदेशीकरण के पथ पर अच्छी तरह से प्रगति की है, मुख्य रूप से इन-हाउस डिज़ाइन क्षमता, नौसेना डिज़ाइन ब्यूरो के कारण।
- एक रक्षा नरिमाता के लिये मज़बूत आपूर्ति शृंखला महत्त्वपूर्ण है जो लागत को अनुकूलित करती है।

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/third-positive-indigenisation-list-1>

